



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 150] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 8, 1991/फल्गुन 17, 1912
No. 150] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 8, 1991/PHALGUNA 17, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भ्रष्टसूचना

नई दिल्ली 8 मार्च, 1991

का. ना. 167(भ):—केन्द्रीय सरकार, भ्रष्ट संविदा (विनियम) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की घारा 5 के अधीन भ्रष्ट प्रवेश कॉटन एसोसिएशन, गुरुद्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए प्रावेदन पर वापिया बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके भीर यह समाधान ही जाने पर कि ऐसा करना आयाम के हित में भीर लोकहित में भी होगा, एवं द्वारा उक्त अधिनियम की घारा 6 द्वारा प्रवत्त मन्त्रियों का

प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास में अप्रिम संचिवा के बारे में 8 मार्च, 1991 से 7 मार्च, 1993 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) की 2 वर्ष की और प्रधानिक के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एनदब्ल्यूआर मान्यता इस शर्त के प्रधानिक है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का प्रतुपालन करेगी, जो वायदा आजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मि. सं. 12/3 आई. टी./91]

मि. एन. बहादुर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th March, 1991

S.O. 167 (E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Andhra Pradesh Cotton Association, Guntur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 8th March, 1991 to the 7th March, 1993, (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/3/1T/91]

B. N. BAHADUR, Jt. Secy.